इलेक्ट्रानिकी के क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास

1439. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कम्प्यूटर तथा सोफ्टवेयर के क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास हेतु क्या-क्या प्रयास किए जा रहे हैं ; और

(ख) इस संबंध में अब तक क्या उपलब्धि रही है और क्या भारत ने इस क्षेत्र में अन्य देशों से मुकाबला करने के लिए क्षमता विकसित कर ली है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इलैक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रंगराजन) कुमारमंगलम) : (क) और (ख) कम्प्यूटर तथा साफ्टवेयर के क्षेत्र में विकास-कार्य के लिए उच्च प्रौद्योगिकी की कई परियोजनाएं आरम्भ की गई हैं । प्रमुख परियोजनाओं तथा उनके लक्ष्यों के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं ;

(i) भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी विकास (टीडीआईएल) ।

मानव मशीन सम्पर्क तथा भारतीय भाषाओं में सूचना संसाधन की सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से सूचना प्रौद्योगिकी साधनों का विकास ।

भाषा अध्ययन तथा अनुसंधान के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साधनों के प्रयोग को बढ़ावा देना ।

(ii) ज्ञान पर आधारित कम्प्यूटर प्रणालियां (केबीसीएस) :

कृत्रिम बुद्धि तथा ज्ञान पर आधारित कम्प्यूटर प्रणालियों के क्षेत्र में विशेषज्ञता का विकास ।

(iii) बृहत समानांतर संसाधन सूपर कम्प्यूटर्स का डिजाइन तथा विकास ।

(iv) आंकड़ा बैंक, बफिक्स, नेटवर्किंग आदि के क्षेत्रों से साफ्टवेयर/साफ्टवेयर साधनों का विकास ।

(v) नगर आयोजना के लिए कम्प्यूटर साधित उपयोगिता मेपिंग प्रणाली ।

(vi) बहु-मीडिया कोर्सवेयर का विकास ।

(vii) दूरदर्शन की इन्टेक्स्ट सेवा के लिए टेलीमीटेक्स साफ्टवेयर ।

(viii) सुरक्षित बड़े पैमाने की लचीली परीक्षाओं का आयोजन करने के लिए कम्प्यूटर साधित पेपर रहीत परीक्षा प्रणाली (सीएपीईएस) ।

ये परियोजनाएं इस समय चल रही हैं तथा इनसे प्राप्त होने वाले परिणाम संबंधित क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय मापदण्डों के समतुल्य होने की आशा की जाती हैं ।

Utilisation of national Renewal Food for creation of new job opportunities

@1440. SHRI VIREN J. SHAH:

DR. JINENDRA KUMAR JAIN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that National Renewal Fund was constituted by Government last year and a decision to this effect was taken that a part of this fund will be utilised for creating new job opportunities for the labourers of the country seeking voluntary retfre-ment;

(b) whether it is also a fact that Rs. 830 crores was spent from this fund in 1992-93;

(c) if so, the amount of money spent from the aforesaid fund for creating new job opportunities alongwith the

@Previously Unstarred Question 51, transferred from the 26th July, 1993.